



सब का सपना



आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी का जलस्तर घटा, बैराज पर पानी का भारी प्रवाह जारी

नई दिल्ली एजेंसी: अमरावती, दो अगस्त आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एपीएसडीएमए ने रविवार को कहा कि भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर घटने लगा है और वहां से दूसरे स्तर की चेतावनी को वापस ले लिया गया है। हालांकि, दौलेश्वरम बैराज पर अब भी भारी मात्रा में बाढ़ का पानी प्रवाहित हो रहा है। प्राधिकरण के अनुसार, भद्राचलम में गोदावरी का जलस्तर 47.9 फुट, कुनावरम में 21.5 मीटर और पोलावरम में 13.3 मीटर दर्ज किया गया। वहीं, दौलेश्वरम बैराज पर पानी का प्रवाह और निकास 14.6 लाख क्यूसेक दर्ज किया गया। दौलेश्वरम, पूर्वी गोदावरी जिले के राजमुंदरी के निकट स्थित है। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने एक आधिकारिक विज्ञापन में कहा, भद्राचलम में गोदावरी नदी में बाढ़ का प्रवाह कम हो रहा है और वहां से दूसरे स्तर की चेतावनी वापस ले ली गयी है।

पीएम मोदी ने शुरू किया विकसित भारत संकल्प अभियान के लिए नशा मुक्त युवा, 1 करोड़ युवाओं ने ली शपथ



नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ 100 सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान में उन्होंने हर नागरिक, खासकर युवाओं से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के युवाओं का तन-मन से स्वस्थ, आत्मविश्वास से भरपूर और नशे जैसी घातक आदतों से दूर रहना जरूरी है। नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की ताकत प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह अभियान व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अभियान का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है। जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तब यह

आवश्यक है कि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, आत्मविश्वास से भरपूर हों और इस जैसी घातक आदत से हमेशा दूर रहें। युवाओं को नशे के खतरों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश के युवा नशे और ड्रग्स के खतरे को समझें, हर तरह

उन्होंने कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए नशा या उत्साह दे सकते....

प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपनी क्षमता को बचाकर रखना होगा। उन्होंने कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए नशा या उत्साह दे सकते हैं, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम करियर और परिवार दोनों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकते हैं।

है देश का युवा युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस बड़े अभियान के लीडर हैं। उन्होंने युवाओं की जागरूकता, समझदारी और कर्तव्यों के प्रति गंभीरता की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि युवा भारत की अमृतपीढ़ी हैं और अगले 20-25 वर्षों में वे अपने जीवन को दिशा देने के साथ 2047 तक देश को विकसित भारत की मंजिल तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि देश को युवाओं की ऊर्जा, कल्पनाशक्ति और प्रतिभा की जरूरत है। इसलिए देश और अपने जीवन

के लिए युवाओं का नशामुक्त रहना बेहद जरूरी है। 100 रविवार होंगे नशामुक्त भारत की दिशा में मजबूत कदम प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ भी गया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसके सारे रास्ते बंद हो गए हैं। उन्होंने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो गया है तो सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में इसे छिपाया नहीं

जाना चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों और चिकित्सा सहायता की मदद लेकर बच्चे को नशे से मुक्त कराने का प्रयास किया जाना चाहिए। साथ ही, परिवार में बच्चों के साथ खुलकर संवाद की संस्कृति विकसित करने पर भी जोर दिया। योग, ध्यान और पुनर्वास केंद्रों की मदद लेने की अपील पीएम मोदी ने कहा कि समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत नशे के खिलाफ आंतरिक शक्ति प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं

प्रशांत किशोर का पटना एसएसपी पर गंभीर आरोप, कहा बीजेपी के कहने पर कार्यकर्ताओं को उठाया

पटना एजेंसी: जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को बताया कि उनकी पार्टी ने चुनाव आयोग में पटना पुलिस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा के कहने पर पुलिस ने जन सुराज के नेताओं और कार्यकर्ताओं को गलत तरीके से पकड़ा और बंद किया। किशोर ने कहा कि गुरुवार को वोटिंग शुरू होने से पहले दो दिनों में पुलिस ने 54 लोगों को पकड़ा, जिनमें कई स्थानीय लोग शामिल थे। एसएसपी के दावे को बताया गलत प्रशांत किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पटना के एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा का यह दावा बिल्कुल गलत है कि पुलिस ने बाहरी लोगों को पकड़ा था। उन्होंने कहा, "हमने चुनाव



आयोग को सबूत दिए हैं कि पकड़े गए कई लोग यहीं के रहने वाले थे और उन्होंने कोई नियम नहीं तोड़ा था।" प्रेस कॉन्फ्रेंस में किशोर के साथ ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिन्हें या जिनके परिवार को पुलिस ने रात में घर से उठा लिया था। रात में सो रहा आदमी नियम कैसे तोड़ सकता है? प्रशांत किशोर ने कहा कि पकड़े गए 54 लोगों में से 18 से ज्यादा लोग बांकीपुर के ही रहने वाले थे। वे कोई

ही करनी है, तो पहले अपने पद से इस्तीफा दें। सरकारी पद पर रहकर राजनीति को प्रभावित करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हम उनसे डरने वाले नहीं हैं।" उन्होंने दावा किया कि बिहार के डीजीपी ने उन्हें भरोसा दिया है कि सोमवार को वोटों की गिनती के समय पटना एसएसपी की कोई भूमिका नहीं होगी। वोटिंग के दिन की आपबीती बताई बांकीपुर उपचुनाव में 30 जुलाई को वोट डाले गए थे और 3 अगस्त को वोटों की गिनती होनी है। किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी के लोगों को तो पकड़ा गया, लेकिन निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्होंने निष्पक्ष होकर काम नहीं किया और चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। किशोर ने कहा, "अगर एसएसपी को राजनीति

आपतिजनक टिप्पणी मामले में पीएम मोदी से माफी मिलने पर भावुक हुई लड़की, बोली- मुझे नया जीवन मिला

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपतिजनक टिप्पणी करने वाली 15 साल की लड़की का एक और नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह काफी खुश नजर आ रही है और कह रही है कि पीएम मोदी ने उसे माफ कर दिया है, जो उसके लिए बहुत बड़ी बात है। उसने कहा कि एक तरह से यह उसे दूसरी जिंदगी मिलने जैसा है। उसने इतनी बड़ी गलती की थी कि उसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि उसे माफी मिल जाएगी। एक पल के लिए उसे लगा था कि उसका सब कुछ खत्म हो गया है, लेकिन पीएम मोदी ने उसे तुरंत माफ कर दिया। माफी मिलने पर भावुक हुई लड़की लड़की ने वीडियो में आगे बताया कि जब उसे पता चला कि पीएम मोदी ने उसे माफ कर दिया है, तो वह रोने लगी थी।



उसने कहा कि जिस इंसान के बारे में उसने इतने बुरे अपशब्द कहे थे, उसी ने उसे बड़प्पन दिखाते हुए माफ कर दिया। उसने माना कि उसने बहुत बुरे शब्दों का इस्तेमाल किया था, इसलिए यह माफी इसके लिए बहुत मायने रखती है। पूरे देश से हाथ जोड़कर मांगी थी माफी इससे पहले जारी किए गए अपने वीडियो में लड़की पूरे देश के लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगती नजर आई थी।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ था। इसी दौरान लड़की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक बातें कही थीं। इस घटना की शिकायत गाजियाबाद के इंदिरापुरम की रहने वाली और सुप्रीम कोर्ट की वकील स्मृति सिंह ने दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर नोएडा पुलिस ने एक्शन लिया। शिकायत में कहा गया है कि लड़की के इस कृत्य से प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। यह बयान समाज में तनाव पैदा करने और शांति व्यवस्था बिगाड़ने की मंशा से दिया गया था। इस मामले में नोएडा पुलिस ने लड़की के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 353 (1) और 356 (1) के तहत मामला दर्ज किया है,

देशभर में संतों-सनातनियों का प्रदर्शन, हिंदू धर्म का अपमान करने पर राहुल-पप्पू के खिलाफ प्राथमिकीदर्ज

अयोध्या एजेंसी: अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले की तरफ ध्यान खींचने के लिये संसद परिसर में 'नाटक' करने पर सांसद पप्पू यादव की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। एक तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है साथ ही देश भर में संत तथा सनातनी सड़कों पर उतर कर उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। पप्पू यादव के साथ साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भी संत और सनातनी भड़के हुए हैं क्योंकि पप्पू के कुकृत्य में राहुल ने पूरा साथ दिया। इसी के चलते पप्पू यादव, राहुल गांधी और अयोध्या से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ वाराणसी में सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में शनिवार को मुकदमा दर्ज किया गया। दिल्ली में भी संसद अवधेश प्रसाद के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। राहुल गांधी ने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में पत्रकारों से कहा कि बीजेपी परिसीमन करने की कोशिश



अवधेश प्रसाद पर सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। हम आपको बता दें कि विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले में प्रतीकात्मक नाटक कर केन्द्र सरकार पर निशाना साधा था। इस दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर पुजारी बने, जबकि राहुल गांधी ने चंदा दिया। उसके बाद पप्पू यादव चंदे का बक्सा लेकर भागने लगे, जिन्हें अन्य सांसदों ने रोक लिया। प्रदर्शन के दौरान 'चंदा चोर,

राज ठाकरे ने पीएम मोदी की तारीफ करने वाले कलाकारों के दुर्बई शिफ्ट होने पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय और आर माधवन पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा कि अगर इन दोनों कलाकारों को लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में भारत में सब कुछ बहुत अच्छा हो गया है, तो वे दुबई में क्यों रहने चले गए हैं? मुंबई के कार्यक्रम में बोला हमला शनिवार को मुंबई में टटर के छात्र संगठन 'महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना' के एक कार्यक्रम में राज ठाकरे केन्द्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने दावा किया कि देश के हजारों कारोबारियों ने अपना सामान समेटा और भारत छोड़कर चले गए। बायोपिक बनाने वाले खुद देश से बाहर चले गए साल 2019 में आई पीएम मोदी की बायोपिक का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा, "विवेक ओबेरॉय, जिन्होंने मोदी पर फिल्म बनाई और उनका रोल

निभाया, वे भी दुबई में रहने चले गए हैं।" उन्होंने आर माधवन का नाम लेते हुए आगे कहा, "आर माधवन, जिन्होंने पीएम मोदी की तारीफ की थी, वे कहाँ रहते हैं? वे भी दुबई में रहते हैं। अगर आपको भारत से इतना प्यार है और लगता है कि पीएम मोदी देश का विकास कर रहे हैं, तो आप विदेश में क्यों रह रहे हैं?" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वे कलाकार भारत आकर सरकार के समर्थन वाली फिल्मों में काम करते हैं और फिर वापस दुबई चले जाते हैं। अभिनेताओं ने बताया था दुबई जाने की वजह आपको बता दें कि आर. माधवन ने पहले बताया था कि वे कोरोना महामारी के दौरान अपने बेटे के स्विमिंग करियर के लिए दुबई शिफ्ट हुए थे। वहीं, विवेक ओबेरॉय का कहना रहा है कि वे वहां अपना बिजनेस शुरू करने के लिए गए थे।

राहुल गांधी ने फ्रेंडशिप डे पर खुद को बताया छात्र, युवाओं के लिए साझा किया खास संदेश

नई दिल्ली एजेंसी: फ्रेंडशिप डे के मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के युवाओं के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने सभी को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं दीं और लिखा कि वह आज भी खुद को एक छात्र ही मानते हैं और हर दिन कुछ न कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। राहुल गांधी ने दोस्ती को जिंदगी का सबसे अनमोल रिश्ता बताते हुए कहा कि प्यार, भरोसा और एक-दूसरे से सीखते रहना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। सोशल मीडिया पर शेयर किया खास पोस्ट राहुल गांधी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, "अभी भी एक विद्यार्थी हूँ, हर दिन कुछ नया सीख रहा हूँ। आज का सबक आज मित्रता दिवस है। सभी को फ्रेंडशिप डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ढेर सारा प्यार।" आपको बता दें कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर राहुल गांधी और पूरा विपक्ष लगातार सरकार पर



सवाल उठा रहा है। इससे पहले भी राहुल गांधी ने कई छात्रों और युवाओं से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनी थीं। सरकार युवाओं को डरा नहीं सकती इससे पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुल मंत्री अमित शाह पर हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया था कि वे दोनों देश के युवाओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वे नेता भारत का बीता हुआ कल हैं और उन्हें सोचना चाहिए कि वे देश

के आने वाले भविष्य के साथ कैसा बर्ताव कर रहे हैं। विपक्ष ने दर्ज मामलों का किया विरोध कांग्रेस नेता ने देश भर में कई युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट बंद कराए जाने के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा तुण्गभल काँग्रेस, राजन और समाजवादी पार्टी जैसी बाकी विपक्षी पार्टियों ने भी अलग-अलग राज्यों में छात्रों पर दर्ज मुकदमों का कड़ा विरोध किया।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: हदबंदी से बीजेपी छीनना चाहती है तमिलनाडु की ताकत

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को सत्ताधारी बीजेपी की एक साजिश बताया, जिसका मकसद तमिलनाडु की राजनीतिक ताकत को छीनना है। उन्होंने यह भी कहा कि जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करेगा, वह 21वीं सदी का एडुपन कहलाएगा — यह तमिल भाषा में गद्गार के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। राहुल गांधी ने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में पत्रकारों से कहा कि बीजेपी परिसीमन करने की कोशिश

कर रही है। इसका मकसद लोगों को उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित करना और तमिलनाडु के लोगों की राजनीतिक ताकत छीनना है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने मामल्लापुरम के निकट पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिल भाषा में गद्गार के लिए भविष्य के साथ विश्वासघात करता है तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भाजपा को राज्य के लोगों पर हमला करने का मौका देता



है। उन्होंने कहा कि किसी भी तमिल व्यक्ति को परिसीमन का समर्थन नहीं

करना चाहिए। हर तमिल व्यक्ति को इसका विरोध करना चाहिए। गांधी ने

आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) परिसीमन लागू करने

राहुल गांधी ने प्रस्तावित परिसीमन को तमिलनाडु की राजनीतिक ताकत छीनने की बीजेपी की साजिश बताया, जिसका मकसद तमिल लोगों के अधिकारों को वंचित करना है। उन्होंने परिसीमन समर्थकों को 'एडुपन' (गद्गार) की संज्ञा दी और सभी तमिलों से इसके विरोध का आह्वान करते हुए

की कोशिश कर रही है और इसका मकसद तमिल लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि तमिल लोगों की राजनीतिक ताकत छीनने का ऐसा प्रयास भाजपा की एक साजिश है। दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी के दौरान आत्महत्या करने

वाले बच्चों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि छात्रों को एक ऐसी व्यवस्था में ईमानदारी से काम करने के लिए कहा जाता है, जो खुद उनके प्रति ईमानदार नहीं है। राहुल गांधी ने मामल्लपुरम में नीट के कारण आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों से कहा, माता-पिता को अपने बच्चे के लिए शोक मनाते देखने से ज्यादा दर्दनाक

कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी जान गंवाने वाले हर युवा के पीछे एक ऐसा परिवार है, जो ऐसा दर्द झेल रहा है,

जो कभी उनका साथ नहीं छोड़ेगा, और साथ ही एक टूटी हुई शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े करता है। पेपर लीक होना। परीक्षाएं रद्द होना। सालों की तैयारी रातों-रात बर्बाद हो जाना। हमारे छात्रों को एक ऐसी व्यवस्था में ईमानदारी से काम करने के लिए कहा जाता है, जो खुद उनके प्रति ईमानदार नहीं है।

संपादकीय

टूट रहीं संसदीय मर्यादाएं

भारी हंगामे और तीखी नॉकड्रॉक के बीच लोकसभा में एंटी पेपरलीक संशोधन बिल ध्वनि-मत से पारित करना पड़ा। इस बिल पर 45 सांसदों ने, 10 से ज्यादा घंटे की बहस के दौरान, अपनी बात रखी और संशोधन भी पेश किए, लेकिन बिल पर मत-विभाजन तक नहीं कराया गया। यह लोकतंत्र की सूक्ष्म एवं महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। बिल हद्दाह्द अथवा ह्दनाह्द के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैसेल गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के ह्दतथाकथितह्द गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष को ऐसे आरोपों और शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत ही क्या थी? यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन और प्रदर्शन के वक्त गोलीबारी और घातक लाठीचार्ज का अंतिम निर्णय गृहमंत्री या प्रधानमंत्री लेते हैं। ऐसी संसदीय अज्ञानता पर हम क्या टिप्पणी करें? ऐसे आदेश मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट (डीएम या एसडीएम) ही दे सकते हैं। आपात स्थितियों में पुलिस के डीसीपी या एसीपी को भी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की जाती हैं। अब यह कैसी संसदीय मर्यादा और विरोधाभास है कि विपक्ष मानता है कि आंदोलित युवाओं पर कीलदार लाठियों से हमले किए गए और पैसेल गन भी चलाई गईं, लेकिन बिल पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पैसेल गोलीबारी से साफ इंकार किया है। अलबत्ता आंसू गैस के गोले दागने को जरूर स्वीकार किया है।

चितन-मनन

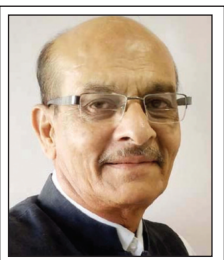
दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटीरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दें दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर ने कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएं और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढ़ी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहां से चले गये।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सनत जैन

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंशःश है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थी, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दक्षिणार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई



जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है। न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-

चंदा चोरी पर घिर रही थी भाजपा, विपक्ष ने भगवा लाकर खुद के पैर पर मार ली कुल्हाड़ी



दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में एक बहुत पुरानी कहावत है कि जब आपका विरोधी खुद गलती कर रहा हो, तो उसके रास्ते में कभी नहीं आना चाहिए। लेकिन विपक्ष के सलाहकारों को शायद यह बुनियादी बात समझ नहीं आती। वे अक्सर विरोधी के पैर पर कुल्हाड़ी मारने का इंतजार नहीं करते, बल्कि खुद ही कुल्हाड़ी उठाकर अपने पैर पर मार लेते हैं। शूक्रवार की घटना को ही देख लीजिए। एक तरफ चंदा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष पूरी तरह बैकफुट पर था। जनता के बीच गंभीर सवाल तैर रहे थे और सरकार के पास कोई साफ जवाब नहीं था। यह एक ऐसा बना-बनाया मुद्दा था, जिसे विपक्ष आसानी से अपने पक्ष में भुना सकता था। लेकिन ठीक इसी मोड़ पर विपक्ष के किसी परम ज्ञानी रणनीतिकार ने अपना दिमाग चलाया। उन्होंने चंदा चोरी के एक ड्रामे में भगवा कपड़े पहने एक संत को चोर के रूप में पेश कर दिया। नतीजा क्या हुआ? जो मुद्दा भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जनता की गाढ़ी कमाई की लूट का था, वह पलक झपकते ही बदल गया। अब वह सनातन के अपमान का नैरेटिव बन गया। अब उल्टा विपक्ष हाथ जोड़कर यह सफाई दे रहा है कि उनका

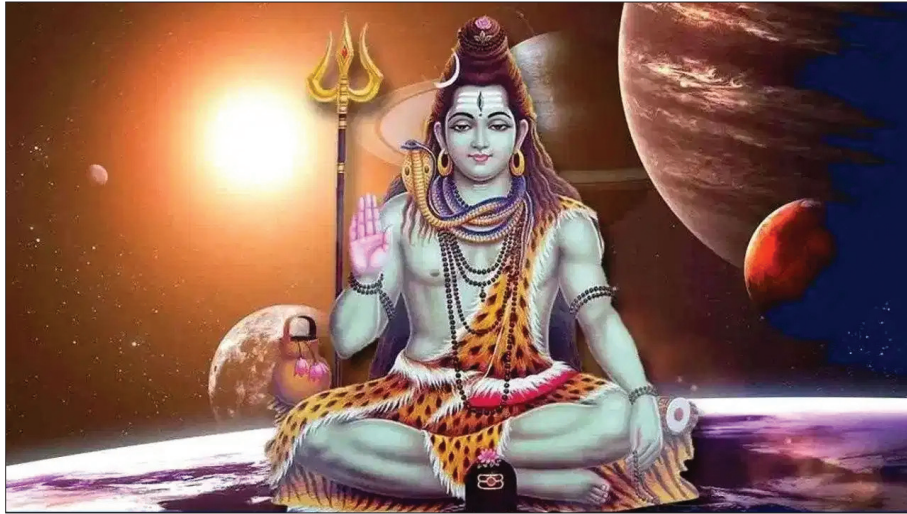


उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल किया हो। असल समस्या यह है कि विपक्ष के रणनीतिकारों को जमीन का कोई ज्ञान ही नहीं है। वे वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को ही पूरे देश का मूड मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि आम जनता उनके बारीक कटाक्ष और प्रतीकों को उसी तरह समझेगी जैसे कोई बुद्धिजीवी समझता है। सच तो यह है कि आज देश के लोग इस तरह के व्यंग्य समझने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं।

राजनीति हमेशा एक नैरेटिव से चलती है। लेकिन विपक्ष हर बार उसी पिच पर खेलने चला जाता है जिसे भाजपा ने उनके लिए तैयार किया है। विपक्ष को यह बात गाँठ बांध लेनी चाहिए कि वे हिंदुत्व की पिच पर भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर सकते। वह उनकी अपनी पिच है और वह अपने उनका मुकाबला करने का मतलब है सीधे कलीन बोल्ट होना। विपक्ष के पास मुद्दों की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन अपनी रणनीतिक कमियों के कारण उन्होंने हमेशा बड़े मौके गँवाए हैं। जब भी देश में बेरोजगारी, महंगाई या पेपर लीक जैसे युवा और आम जनता से जुड़े मुद्दे गर्म होते हैं, विपक्ष सरकार को घेरने

सावन: शिव भक्ति, श्रद्धा और साधना का पावन पर्व



पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या चूं कहे कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव कसौम साधवनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं। शिव पूर्ण मौन, ध्यान और साक्षीभाव के प्रतीक हैं। उनका तांडव जीवन का ऊर्जा और परिवर्तन का प्रतीक है। वे संसार से भागने वाले नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए पूर्ण जागरूकता का संदेश देते हैं।शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, कल्याण, मौन, योग और आत्मबोध के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे देवों के देव- महादेव हैं।भक्ति परंपरा उन्हें महादेव और परमेश्वर मानती है। वहीं पर योग परंपरा उन्हें आदियोगी मानती है। दार्शनिक परंपरा उन्हें परम चेतना या ब्रह्म का प्रतीक मानती है। शिव स्वयंभू (जो स्वयं प्रकट हुए हों) हैं। हम सभी यह जानते हैं कि सावन में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, लेकिन यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर सावन मास में ही भगवान

शिव का जलाभिषेक क्यों होता है ? तो यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सावन के महीने में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें से महाविनाशकारी हलाहल विष निकला था। कहते हैं कि जब महादेव ने सृष्टि की रक्षा के लिए इस विष को अपने कंठ में धारण किया, तो उनके शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया और कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की ज्वाला और ताप को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव को जल और औषधियां अर्पित कीं। वास्तव में,सावन की वर्षा और जल चढ़ाने की परंपरा इसी घटना से जुड़ी है ताकि महादेव के शरीर को शीतलता मिले। सावन का महीना रुद्र रूप के उस पक्ष को दशार्ता है जो संहार के बाद पुनर्गठन और नवजीवन लाता है। शास्त्रों के अनुसार, भीषण गर्मी से जब हमारी पृथ्वी तप रही होती है,तो सावन में जब शिवजी जल ग्रहण करते हैं, तो वे प्रसन्न होकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में अपनी कृपा बरसाते हैं।वायु पुराण के अनुसार, सावन के दौरान जल की हर बूंद में रुद्र का अंश माना जाता है, जो प्रकृति का पुनर्जन्म करता है।यह भी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव ही सृष्टि का भार संपालते हैं, जैसा कि आपाढ़

लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आ्युक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आ्युक्त की नियुक्ति को लेकर जो याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं। बहरहाल जिस तरह से न्यायपालिका के पूर्व जजों और न्यायपालिका के वर्तमान जजों द्वारा कॉलेजियम और सरकार को आईना दिखाया जा रहा है, तुरंत इस पर पारिदर्शिता के साथ कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही कहा जा सकता है।

के बजाय किसी सांस्कृतिक या धार्मिक विवाद में कूद पड़ता है। जब जनता महंगाई से त्रस्त होती है, तब विपक्ष के कुछ नेता संसद से लेकर सड़क तक भगवान, धर्मग्रंथों या आस्था से जुड़ी चीजों पर ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं जिससे पूरी बहस का रुख ही मुड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि जो जनता सुबह सरकार की आर्थिक नीतियों से नाराज थी, वह शाम तक अपनी आस्था के बचाव में खड़ी हो जाती है। जहां आपकी सरकार की जवाबदेही तय करनी थी, वहां आपने पूरी बहुसंख्यक आबादी को ही रक्षात्मक मुद्रा में लाकर अपने खिलाफ खड़ा कर लिया।

विपक्ष को अब यह तय करना होगा कि उन्हें राजनीति अपनाका लहजा गलत है, तो वह मुद्दा पूरी तरह बेकार हो जाता है। अब समय आ गया है कि विपक्ष उन सलाहकारों को बाहर का रास्ता दिखाए जो जमीन से पूरी तरह कटे हुए हैं। राजनीति में जीतने के लिए जनता को नन्ज को पहचानना पड़ता है। अगर इतनी सी भी समझ नहीं है, तो बेहतर होगा कि वे आम जनता या अपने जमीनी कार्यकाताओं से ही सलाह ले लें, जो उन्हें सही रास्ता दिखा सकें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा (क्षीरसागर) में चले जाते हैं। सावन के महीने में महादेव पृथ्वी लोक के सबसे करीब होते हैं और अपने भक्तों की पुकार तुरंत सुनते हैं। सावन मास में भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया जाता है। दरअसल ,बेलपत्र का त्रिकोण और वैज्ञानिक पहलू है। बेलपत्र के तीन पत्ते शिवजी के तीन नेत्रों, तीन गुणों (सत्व, रज, तम) और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) का प्रतीक हैं। बेलपत्र में प्राकृतिक रूप से विषैले तत्वों को सोखने और शीतलता प्रदान करने के गुण होते हैं। यही कारण है कि विष के प्रभाव को कम करने के लिए जल के साथ-साथ बेलपत्र भी अर्पित किया गया था। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि लोग सावन के सोमवार को केवल एक वार मानकर व्रत रखते हैं, लेकिन सोम का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। सोम का मतलब है चन्द्रमा और हम सभी जानते हैं कि भगवान शिव के मतसक पर चंद्रमा विराजमान हैं, जो मन की शांति और शीतलता का प्रतीक है।सावन मास में कांवड़ यात्रा का भी विशेष महत्व माना गया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि पहली कांवड़ यात्रा भगवान परशुराम जी ने की थी। उन्होंने पहली बार कांवड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिवजी का अभिषेक किया था। एक अन्य कथा के अनुसार, लंकापति रावण (जो शिवजी का महान भक्त था) ने समुद्र मंथन के विष से पीड़ित शिवजी को राहत देने के लिए पुरा महादेव (गढ़मुक्तेश्वर/बागपत) में कांवड़ से गंगाजल लाकर चढ़ाया था।

अंत में यही कहूंगा कि सावन के धार्मिक रीती-रिवाजों का महीना नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, भक्ति और स्वयं के भीतर की ऊर्जा को संतुलित करने का एक सूक्ष्म आध्यात्मिक विज्ञान है।सावन का महीना आत्मशुद्धि, संयम, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण का भी संदेश देता है। सावन हमें सिखाता है कि शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ सत्य, करुणा, सेवा, धैर्य और आत्मसंयम को जीवन में अनामाना है। यदि हम इन मूल्यों को अपने आचरण का हिस्सा बना लें, तो यह हीन सावन का सबसे बड़ा फल और भगवान शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।



अमरोहा पुलिस लाइन में लगा वामा वेलनेस कैम्प

38 पुलिसकर्मियों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण, होम्योपैथिक परामर्श व दवाएं भी वितरित



अमरोहा (सब का सपना):- वामा सारथी, उ.प्र. पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन, अमरोहा में वामा वेलनेस कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान करना रहा। शिविर में टाटा

1एमजी की टीम के आकाश कुमार, रवि कुमार, आकाश एवं प्रिंस द्वारा आधुनिक स्वास्थ्य परीक्षण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान TSH, Thyroid Profile, KFT, Vitamin-D, Lipid Profile, HbA1c, LFT, VitOm)»f B12, C.Olcium, Uric Acid, Cholesterol सहित विभिन्न पैथोलॉजिकल जांचें बाजार मूल्य से न्यूनतम दरों पर तथा CGHS दरों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत छूट के साथ की गईं। शिविर में लगभग 38



पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। वामा वेलनेस कैम्प के अंतर्गत होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श एवं निःशुल्क औषधि वितरण शिविर का भी आयोजन किया गया। जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय, अमरोहा से चिकित्साधिकारी डॉ. हुकुम सिंह, फार्मासिस्ट शान्तनु, राहुल कुमार एवं उनकी टीम द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण

कर समस्याओं के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक औषधियां उपलब्ध कराई गईं। अमरोहा पुलिस द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले ऐसे स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों का उद्देश्य पुलिस परिवार के सदस्यों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

संतों एवं भगवा का अपमान निंदनीय एवं असहनीय:- कृष्ण कुमार शर्मा

सांसद पप्पू यादव और राहुल गांधी के खिलाफ राष्ट्र सेवा संगठन का जोरदार प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवा संगठन ने संसद परिसर में कथित सनातन धर्म के अपमान को लेकर सांसद पप्पू यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भगवा वस्त्र पहनकर संतों और सनातन धर्म का अपमान करना निंदनीय एवं असहनीय है। तहसील क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी स्थित शिव मंदिर प्रांगण में राष्ट्र सेवा संगठन के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण बैठक और विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इसमें संगठन के कार्यकर्ताओं और स्थानीय



ग्रामीणों ने भारी संख्या में भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संसद भवन के सामने हाल ही में कुछ सांसदों द्वारा किया गया कथित सनातन विरोधी आचरण बेहद आपत्तिजनक है। विरोध करने और

यादव और राहुल गांधी द्वारा संसद भवन परिसर में किए गए कथित कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि इन नेताओं के आचरण से देशभर में सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्था के साथ भद्दा मजाक किया गया है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने शिव मंदिर के पास नारेबाजी कर रोष प्रकट किया। इस मौके पर रूपचंद चौहान, सुशील चौहान, नरेंद्र सिंह चौहान, साहब सिंह, आकांक्ष, विकास, रूनीत कुमार, लवकुश, सुभांशु, प्रिंस, अंकुल, बबली, थल प्रकाश आदि मौजूद रहे।

अपनी बात रखने के अन्य तरीके हो सकते हैं, लेकिन संतों और धार्मिक प्रतीकों का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने पप्पू

धनौरा क्षेत्र के पपसरा बंगर में उधार सामान न देने पर युवक का सिर फोड़ा, घायल



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में एक दुकानदार द्वारा उधार सामान ना देने पर दूसरे युवक ने दुकानदार का सिर फोड़ कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इतना ही नहीं उस युवक ने बीच बिचाव करने आए पीड़ित युवक के पोते के साथ भी मारपीट की। इस मामले में पीड़ित युवक ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती



ही परचून की दुकान खोल रखी है। शनिवार शाम करीब सात बजे खजान सिंह दुकान पर बैठे थे तभी गांव का एक व्यक्ति नशे की हालत में वहां पहुंचा और उधार सामान मांगने लगा। खजान सिंह ने जब उधार देने से मना किया, तो आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर आरोपी अपने तीन बेटों के साथ वापस आया और लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से घर पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए खजान सिंह के पोते के साथ भी

मारपीट की गई। हमलावरों ने घर की महिलाओं के साथ भी अभद्रता और गाली-गलौज की। हमले के दौरान दबंगों ने धारदार हथियार से खजान सिंह के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और हाथों पर भी गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बुजुर्ग को सीएसपी मंडी धनौरा ले गईं। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर चोट को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल अमरोहा रेफर कर दिया।

सीसीटीवी से कांवड़ यात्रा पर रखी जाएगी सतत निगरानी, दिए जरूरी निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने रविवार को जोया टोल स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान द्वारा कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड का गहनता से अवलोकन कर कांवड़ मार्ग, हाईवे, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर की जा रही निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सीसीटीवी



कैमरों के माध्यम से कांवड़ यात्रा पर सतत एवं प्रभावी निगरानी रखी जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, यातायात अवरोध अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारी

एवं पुलिस बल को उपलब्ध कराते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था एवं

कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कंट्रोल रूम में तैनात पुलिसकर्मियों को पूर्ण सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा का अनुभव प्राप्त हो सके। अमरोहा पुलिस द्वारा श्रावण कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी निगरानी तथा पर्याप्त पुलिस बल के माध्यम से लगातार प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है।

ईओ के औचक निरीक्षण मे गौशाला मे मिली खामियां सम्बंधितो को कारण बताओ नोटिस जारी



अमरोहा (सब का सपना):- शहर की पालिका के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा संचालित नगर के कांट रोड पर स्थित अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण मे कमिया पाए जाने पर गौशाला प्रबंधन मे लगे कर्मिकों का नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा बताया गया की शासन एवं जिलाधिकारी द्वारा प्रदेश की निकायों मे संचालित गौशालाओं मे संरक्षित

गौवंश के उचित भरण पोषण एवं नियमित देखरेख के निर्देश पारित किये गए हैं। जिलाधिकारी डॉ नितिन गौड़ के निदेशों के अनुपालन मे उनके द्वारा आज पालिका की गौशाला का औचक निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है की पालिका की गौशाला मे वर्तमान समय मे कुल 184 गौवंश संरक्षित हैं जिनकी देखरेख के लिए शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। आज प्रातः मे इन्ही उपलब्ध व्यवस्थाओं के धरातलीय अवलोकन के लिए प्रातः मे गौशाला का निरीक्षण किया गया। गौशाला मे



सभी संरक्षित गौवंश स्वस्थ पाए गए, हरा चारा, भूसा, चोकर, स्वच्छ जल की व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। गौशाला मे स्वच्छ जल आपूर्ति के लिए 2 सब मर्सिकल लगाए गए हैं, बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जेनरेटर लगा है, टीन शेड मे धूप और लू से बचाव के लिए हरी जाली की पर्याप्त व्यवस्था है, गौवंश के स्वस्थ परीक्षण के लिए प्रतिदिन सुबह व सांय की दोनों पालिका मे पशु चिकित्सकों द्वारा पशुओ का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के समय कुछ स्थानों पर कूड़ा पड़ा हुआ था, गोबर उठाया

नहीं गया था, गौशाला के कैमरे बंद पाए गए, गौशाला के नियमित निरीक्षण हेतु लगाए गए कर्मिकों द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण न किया जाना पाया गया जिसके कारण पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा सम्बंधितो के नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा चेतावनी जारी की गयी है की गौशाला से संबंधित किसी भी कार्य मे लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी, इसमें लापरवाही करने वाले कर्मिकोंका उत्तर दायित्व निर्धारित करते हुए कार्यवाही की जाएगी।

तहसील अमरोहा सदर में विकासखंड अमरोहा के अंतर्गत संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की तहसील अमरोहा सदर में विकासखंड अमरोहा के अंतर्गत संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया। दिवस के दौरान जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आम नागरिकों की शिकायतें दर्ज की गईं। कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 शिकायतों को मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को



प्रेषित कर यथाशीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक, तहसीलदार, नगर पालिका

अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। संपूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य

आमजन की समस्याओं को उनके द्वार पर ही सुनना और संभवतः तत्काल समाधान प्रदान करना है। प्रशासन की इस पहल से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्राप्त सभी शिकायतों पर सख्ती से अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी और समयबद्ध तरीके से उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को बिना किसी संकोच के प्रशासन तक पहुंचाएं।

भाजपा नेता से अभद्रता पर भड़के सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर

बोले जिलाध्यक्ष, सत्ता पक्ष के साथ अभद्रता तो आम जनता का क्या होगा

अमरोहा (सब का सपना):- 31 जुलाई 2026 की रात्रि नगर कोतवाली में भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक मनीष कुमार दक्ष के साथ हुई अभद्रता के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने इस घटना को सिस्टम की नाकामी बताते हुए पुलिस अधीक्षक से दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रविवार को वीडियो जारी कर सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा



कि जब सत्ता पक्ष के एक जिम्मेदार पदाधिकारी के साथ कोतवाली के अंदर इस तरह की अभद्रता और कि जनपद बदसलुकी हो सकती है, तो आप

सौचिए आम जनता के साथ पुलिस क्या सलुक करती होगी। उन्होंने सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि जनपद अमरोहा में पुलिस पूरी तरह निरंकुश

हो चुकी है। आगे कहा कि हम एनडीए का हिस्सा हैं और सरकार को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन अमरोहा पुलिस के इस रवैये से सरकार को खूब रोज धूमिल हो रही है। यह साफ है कि कुछ लोग जानबूझकर साजिश के तहत सरकार को बदनाम कर रहे हैं। सुभासपा जिलाध्यक्ष ने मांग की कि इस मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराई जाए। दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त किया जाए और पीड़ित मनीष दक्ष को न्याय दिया जाए।

रजबपुर नेशनल हाईवे 9 पर सड़क हादसा, एक बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में रविवार को नेशनल हाईवे 9 पर एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई जबकि बाइक पर सवार उसका एक अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है। बता दें कि यह हादसा रजबपुर क्षेत्र के नेशनल हाईवे किनारे स्थित वैकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के निकट स्थित चौकी इलाके में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गजरोला से मुरादाबाद की ओर जा रही एक फॉर्च्यूनर कार की आकांक्षा कार



एजेंसी के पास सामने से आ रही बाइक से सीधी टक्कर हो गई बाइक रजबपुर से गजरोला दिशा की तरफ जा रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक के परखच्चे उड़ गए और फॉर्च्यूनर गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह से सतिग्रस्त हो गया

जिसके एयर बैग खुल गए। वहीं फॉर्च्यूनर के पीछे चल रही एक अन्य कार भी उससे जा टकराई। इस दौरान कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था भी पूरी तरह से बाधित रही। हादसे में बाइक पर सवार दो युवकों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई

मृतक की पहचान रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव झनकपुरी निवासी बुद्ध उर्फ सत्येंद्र सिंह उम्र करीब 36 वर्ष पुत्र राम सिंह के रूप में हुई वह गजरोला में रॉयल एनफील्ड एजेंसी में कार्य करता था। वहीं बाइक पर सवार दूसरा युवक रजबपुर निवासी आरिफ पुत्र आसिफ गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक सत्येंद्र सिंह की पत्नी लक्ष्मी और तीन बच्चे हैं जिनमें 10 वर्षीय बेटा आंशिक, 8 वर्ष की बेटी निधि और 6 वर्षीय बेटा लवक शामिल है। घटना के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है। सूचना मिलने पर रजबपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची जिसने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर अग्रिम कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

खुशालपुर गांव में गुलदार का आतंक, घर के बाहर बंधे पालतू कुत्ते को बनाया शिकार

बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के खुशालपुर गांव में देर रात गुलदार के आतंक से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। गुलदार ने घर के बाहर बंधे एक पालतू कुत्ते को अपना शिकार बना लिया और उसे दबोचकर जंगल की ओर ले गया। पूरी घटना पास में स्थित एक चक्की पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना के बाद जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो वहां खून के निशान और गुलदार के पंजों के स्पष्ट निशान मिले। इसके



बाद पूरे गांव में भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि गुलदार की लगातार बढ़ती गतिविधियों से बच्चों और मवेशियों

की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल गांव के आसपास पिंजरा लगाने, नियमित गश्त करने और गुलदार को

पकड़ने की मांग की है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। विभागीय अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू करते हुए क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा जल्द ही आवश्यक कार्रवाई कर गुलदार को पकड़ने का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से शीघ्र प्रभावी कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर में कीर्ति सैनी ने किया कॉलेज टॉप, 90 प्रतिशत अंक हासिल

राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):— ताजपुर निवासी अमर सिंह सैनी की पुत्री एवं लक्ष्य कॉलेज, स्योहारा की मेधावी छात्रा कीर्ति सैनी ने डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान हासिल किया है। कीर्ति सैनी की इस शानदार सफलता से परिवार, शिक्षकों एवं कॉलेज प्रबंधन समिति में खुशी की



लहर है। कॉलेज प्रबंधन ने छात्रा की मेहनत, लगन और अनुशासन की

सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपनी सफलता पर कीर्ति सैनी ने इसका श्रेय अपने गुरुजनों, पिता अमर सिंह सैनी तथा अपने भाइयों के सहयोग और मार्गदर्शन को दिया। वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी कीर्ति की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो घायल, एक जिला अस्पताल रेफर

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार महिला गंभीर घायल, दूसरे हादसे में स्कूटी सवार व्यक्ति चोटिल नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— थाना क्षेत्र में शनिवार रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। पहला हादसा नगीना-बढ़ापुर मार्ग पर ग्राम नंदपुर के निकट हुआ। ग्राम बदल्लोपुर निवासी महावीर सिंह अपनी पत्नी बिरमो देवी (50) के साथ साइकिल से अपनी ससुराल से वापस गांव लौट रहे थे। रात करीब आठ बजे नंदपुर के पास पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में पीछे बैठी बिरमो देवी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से उन्हें सीएचसी

मार्ग पर ग्राम नंदपुर के निकट हुआ। ग्राम बदल्लोपुर निवासी महावीर सिंह अपनी पत्नी बिरमो देवी (50) के साथ साइकिल से अपनी ससुराल से वापस गांव लौट रहे थे। रात करीब आठ बजे नंदपुर के पास पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में पीछे बैठी बिरमो देवी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से उन्हें सीएचसी

नगीना पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं दूसरा हादसा नगर के मुख्य मार्ग पर जामा मस्जिद के निकट हुआ। शेरकोट निवासी सोहान बिडला अपनी पत्नी संजीता उर्फ संगीता के साथ स्कूटी से बढ़ापुर मार्ग स्थित इस्लामाबाद में अपनी बेटी के

वहां सिंदारा देने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य स्कूटी से उनकी स्कूटी की साइड लग गई, जिससे सोहान बिडला घायल हो गए। सूचना मिलने पर उनके दामाद सचिन वाल्मीकि मौके पर पहुंचे और उन्हें एक निजी चिकित्सक के यहां उपचार के लिए भर्ती कराया। उपचार के बाद सोहान बिडला अपनी पत्नी के साथ बेटी के घर के लिए रवाना हो गए।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती पर समाज को शिक्षा, जागरूकता और संगठन का संदेश



बिजनौर (सब का सपना):— महाराजा दक्ष प्रजापति सेवा समिति, बिजनौर के तत्वावधान में काकरान वाटिका में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों ने भगवान महाराजा दक्ष प्रजापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व अपर जिला जज एवं वर्तमान में हमीरपुर

में अपर जिला जज के पद पर कार्यरत निजेंद्र कुमार प्रजापति रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. योगेंद्र पाल सिंह प्रजापति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में प्रजापति समाज सहित सभी वर्गों से शिक्षा को प्राथमिकता देने, जागरूक रहने तथा सामाजिक एकता बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि प्रजापति तथा भाजपा के जिला मंत्री जयवीर पंचवाल ने समाज को संगठित रहने और राजनीतिक



भागीदारी बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा, संगठन और सामाजिक एकजुटता से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम में देशराज सिंह प्रजापति, पूर्व जिला मंत्री लक्ष्मण प्रजापति, विमलेश प्रजापति, झल सिंह प्रजापति, राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति, ऋषिपाल सिंह प्रजापति, कृपा सिंह प्रजापति, धर्मेन्द्र सिंह प्रजापति, नानक चंद्र प्रजापति, कैलाश प्रजापति (ब्लॉक अध्यक्ष,

कोतवाली ब्लॉक), शीशराम प्रजापति, मंजीत प्रजापति, गुलाब सिंह प्रजापति, सत्यपाल प्रजापति, रमेश प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, राजवीर प्रजापति सहित समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मास्टर जल सिंह प्रजापति ने प्रभावी ढंग से किया। समारोह का समापन समाज की एकता, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के संकल्प के साथ हुआ।

मोबाइल टावर से 10 लाख की डिवाइस चोरी करने वाले गिरोह का पदार्पण, 4 शातिर चोर गिरफ्तार

बुलंदशहर (सब का सपना):— जनपद के गुलावठी थाना पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मोबाइल टावरों से महंगी RRRH/RRU डिवाइस चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई चार RRRH/RRU डिवाइस, जिनकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है, तथा वारदात में प्रयुक्त एक ह्यूंडई और कार भी बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 1/2 अगस्त की रात यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रमोद और संजीव निवासी ग्राम कुराना, थाना टप्पल (अलीगढ़), पीयूष उर्फ पीलू निवासी सुखलालपुर, थाना सिकंदराबाद तथा समसुद्दीन निवासी चचरई, थाना जहमीराबाद के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी संगठित गिरोह बनाकर बुलंदशहर



सहित कई जनपदों में मोबाइल टावरों से RRRH/RRU डिवाइस, केबल और अन्य उपकरण चोरी करते थे। इसके बाद चोरी का सामान अलग-अलग स्थानों पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पूछताछ में आरोपियों ने 6 जून 2026 की गुलावठी क्षेत्र के खुशहालपुर, 10 मई 2026 को

खुर्जा देहात के दौसपुर तथा 21 जुलाई 2026 को कोतवाली देहात क्षेत्र की अनाज मंडी के पास स्थित मोबाइल टावर से चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। इन मामलों में संबंधित थानों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के

खिलाफ संबंधित धाराओं में बढोतरी कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी प्रमोद और संजीव के खिलाफ पहले से भी चोरी, अवैध हथियार और अन्य आपराधिक मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में मादा बाघ की मौत, वन विभाग में मचा हड़कंप

बेहोशी की हालत में मिली थी 14 वर्षीय बाघिन, कानपुर ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम
बिजनौर (सब का सपना):— अमानगढ़ टाइगर रिजर्व के वन रेंज क्षेत्र में एक मादा बाघ बेहोशी की हालत में मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। वनकर्मियों ने तत्काल उसे उपचार के लिए कानपुर ले जाने की व्यवस्था की, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना अमानगढ़ टाइगर रिजर्व वन रेंज के गुर्जर गेट के पास की है। डीएफओ जय सिंह कुशवाहा ने बताया कि मृत मादा बाघ की उम्र लगभग 14 वर्ष थी। प्रारंभिक तौर पर बाघिन की अत्यधिक कमजोरी के कारण मौत



होने की आशंका जताई जा रही है। वन विभाग ने बाघिन के शव का

पोस्टमार्टम कराकर उसके नमूने विस्तृत जांच के लिए भेज दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। बाघिन की मौत की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारियों में हलचल मच गई। फिलहाल विभाग पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

एसपी सिटी व कांवड़ यात्रा प्रभारी ने मंडावली के कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण



बिजनौर (सब का सपना):— कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से एसपी सिटी कृष्ण गोपाल सिंह एवं कांवड़ यात्रा प्रभारी रakesh कुमार ने रविवार को थाना मंडावली क्षेत्र के कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों

अधिकारियों ने कांवड़ यात्रियों एवं शिवभक्तों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा यात्रा मार्ग पर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-

सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी सिटी एवं कांवड़ यात्रा प्रभारी ने कांवड़ यात्रा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को पूरी सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पुलिस अधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मचारी भी मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त पिंडदान स्थलों का पुनर्निर्माण शुरू, नगर पालिका ने दिखाई तत्परता

शरारती तत्वों द्वारा तोड़े गए तीनों पिंडदान स्थलों का कराया जा रहा निर्माण, मामले में कार्रवाई की मांग तेज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— मंडी समिति के निकट स्थित प्राचीन श्मशान घाट के पास शरारती तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए पिंडदान स्थलों के पुनर्निर्माण का कार्य नगर पालिका ने शुरू करा दिया है। नगर पालिका प्रशासन के निर्देश पर ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार नगीना-कोतवाली मार्ग स्थित प्राचीन श्मशान घाट के निकट, करुला नदी पुल के पास सड़क किनारे वर्षों पुराने तीन पिंडदान स्थल बने हुए हैं। इन स्थलों पर अंतिम संस्कार के दौरान परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार पिंडदान की रस्म संपन्न कराई जाती है। बताया गया



कि गुरुवार रात बारिश का फायदा उठाकर अज्ञात शरारती तत्वों ने तीसरे पिंडदान स्थल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे पहले दो अन्य पिंडदान स्थल भी करीब दो वर्ष पूर्व तोड़े जा चुके थे। शुक्रवार सुबह

घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कराया। नगर

पालिका के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार के निर्देश पर ठेकेदार द्वारा तीनों क्षतिग्रस्त पिंडदान स्थलों के पुनर्निर्माण का कार्य शुक्रवार दोपहर से ही शुरू करा दिया गया, जो वर्तमान में प्रगति पर है। लोगों ने उठाई कार्रवाई की मांग स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिंडदान स्थल सनातन समाज की आस्था का केंद्र हैं और इन्हें बार-बार क्षतिग्रस्त किए जाने की घटनाएं चिंताजनक हैं। लोगों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि घटना में शामिल शरारती तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

फजलपुर में किसान-मजदूर चौपाल, केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की दी जानकारी



बिजनौर (सब का सपना):— विधानसभा क्षेत्र के मंडावर मंडल के ग्राम फजलपुर में किसान-मजदूर चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों से संवाद करते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान किसान, मजदूर, गरीब, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के कल्याण के लिए

संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। चौपाल में किसानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के निर्णय की जानकारी दी गई। बताया गया कि योजना के लिए



3.15 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को मंजूरी दी गई है। साथ ही यह भी बताया गया कि अब तक इस योजना के तहत 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। कार्यक्रम में राजकुमार, नरेश सेठ सिंह, पंकज राठी, राजदेव, महिपाल, देवेंद्र

सिंह, चंद्रपाल, महेंद्र सिंह, आदेश, शिवम, पिंकू जौनी (पूर्व प्रधान), पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण पाल आर्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष विष्णु पथ, सुधीर, दिनेश शर्मा, भूपेंद्र सिंह, सतेन्द्र सिंह, पुनीत कुमार, अनुराग राठी, विशु कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्योहारा के वार्ड 25 में कूड़े के ढेर से लोग परेशान, नियमित सफाई की उठी मांग

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):— नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 25 में लंबे समय से नियमित रूप से कूड़े के ढेर लगे रहने की शिकायत सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिनभर कूड़ा सड़क किनारे पड़ा रहता है, जिससे दुर्गंध फैलती है और क्षेत्र में गंदगी का माहौल बना रहता है। लोगों का कहना है कि इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। नगरवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समय पर कूड़ा नहीं उठाया जाता और



सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से वार्ड में

नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा कूड़े का समय पर निस्तारण कराने की मांग की है।

क्षेत्र के कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब स्थानीय समस्याओं पर लगातार चर्चा होती है, तब इस तरह की सफाई संबंधी गंभीर समस्या पर अपेक्षित ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा। उनका कहना है कि जनहित से जुड़े ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाना चाहिए ताकि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई कर सके। हालांकि, इस संबंध में जब नगर पालिका प्रशासन से फोन पर बात करना चाही तो नगर पालिका प्रशासन ने फोन रिसीव नहीं किया।

नई पुलिस कमिश्नर की पहल रंग लाई, दिल्ली की सड़कों पर उतरी ट्रैफिक पाठशाला



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नई पुलिस कमिश्नर के पदभार संभालने के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने जागरूकता अभियान को और तेज कर दिया है। इसी अभियान के तहत दिल्ली के विभिन्न ट्रैफिक सर्कलों में 'ट्रैफिक पाठशाला' आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में वेस्ट जिले के मायापुरी चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ऑटो, टैक्सी, निजी वाहन चालकों और आम नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में टीसीपी वेस्ट रणवीर सिंह तथा राजौरी गार्डन और तिलक नगर ट्रैफिक सर्कल के ट्रैफिक इंस्पेक्टरों ने लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, रेड लाइट जंप से बचने, ओवरस्पीडिंग न करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा सड़क पर अनुशासित व्यवहार अपनाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का सबसे प्रभावी उपाय लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। इसी उद्देश्य से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अब प्रत्येक ट्रैफिक सर्कल में नियमित रूप से ट्रैफिक पाठशाला आयोजित कर रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग यातायात नियमों को समझें और उनका पालन करें। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षित ड्राइविंग केवल कानूनी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है।

बिना नंबर प्लेट दौड़ा रहा था चोरी की बाइक, झारका सेक्टर-23 पुलिस ने दबोचा शातिर ऑटो लिफ्टर

नई दिल्ली झारका जिले में वाहन चोरों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत डीसीपी द्वारा कुशल पाल सिंह (IPS) के निर्देश पर एसीपी द्वाराका के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी (SHO) द्वाराका सेक्टर-23 की निगरानी में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। गश्त के दौरान पुलिस ने एक शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की हीरो सुपर स्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के अनुसार, हेड कांस्टेबल मुकेश और हेड कांस्टेबल राकेश भर्थल चौक क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट के एक संधिध मोटरसाइकिल दिखाई दी। पुलिस टीम ने तुरंत वाहन को रोककर जांच की तो पता चला कि बाइक रोहिणी के थाना के.एन. कटजू मार्ग क्षेत्र से चोरी की गई थी और उस पर पहले से ई-एफआईआर दर्ज थी। पूछताछ में आरोपी की पहचान रजत कुमार (23 वर्ष), निवासी सुल्तानपुरी के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी तथा चोरी की मोटरसाइकिल को जब्त कर संबंधित थाना पुलिस को आगे की जांच के लिए सौंप दिया। द्वाराका पुलिस का कहना है कि जिले में अपराधियों और वाहन चोरों के खिलाफ लगातार सघन गश्त, पिकेट चेकिंग और संधिध व्यक्तिवों की निगरानी जारी है। आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान और तेज किए जाएंगे ताकि अपराधियों पर पूरी तरह शिकंसा कसा जा सके।

लेडी श्रीराम कॉलेज में छात्राओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं, हॉस्टल की नई बिल्डिंग का हुआ उद्घाटन



दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) के लेडी श्रीराम कॉलेज के हॉस्टल में अब छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। मरम्मत का कार्य पूरा होने के बाद शनिवार को रेंजिंडेस हॉल की पुनर्निर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन कर इसे दोबारा खोल दिया गया है। छात्राओं को बेहतर सुविधाएं देने और कैपस का आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिए तैयार की गई बिल्डिंग का उद्घाटन गर्वनिंग बाडी की सदस्य वासवी भरत राम ने किया। मौके पर प्राचार्या प्रो. कनिका के. आहूजा, हॉस्टल वार्डन डा. उज्जयिनी रे सहित फैकल्टी सदस्य, कर्मचारी, छात्राएं और उनके अभिभावक मौजूद रहे। हॉस्टल की बिल्डिंग की मरम्मत का कार्य एसआरएफ फाउंडेशन के योगदान से कराया गया है। इसके तहत छत की वाटरप्रूफिंग, बाथरूम ब्लॉक का दोबारा से निर्माण, दूसरी मंजिल के कमरों में एयर कंडीशनर लगाने का काम पूरा हुआ है। इससे छात्राओं को आरामदायक और पहले से बेहतर हॉस्टल सुविधाएं मिलेंगी। बिल्डिंग में सौ कमरों को नए विद्यार्थियों के लिए खोल दिया गया है, जिसकी क्षमता 150 छात्राओं की है। मौके पर प्रो. कनिका के. आहूजा ने कहा कि रंग-रोगम और नए फर्नीचर के साथ यहाँ छात्राओं को बेहतरीन सुविधाएं देना ही मकसद था।

सीएम रेखा गुप्ता ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का किया दौरा, मरीजों से संवाद कर सुनीं समस्याएं

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज रविवार को मयूर विहार फेज-2 स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद किया। सीएम रेखा गुप्ता ने मरीजों के अनुभव, सुझाव और अपेक्षाएं सुनीं। इस दौरान सीएम रेखा ने कहा, 'जनता से सीधा संवाद ही बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार है।' सीएम रेखा ने अधिकारियों को दिए निर्देश मुख्यमंत्री ने अस्पताल में साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सा सेवाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक सुधार तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार के लिए हर मरीज का विश्वास सर्वोपरि है और प्रत्येक नागरिक को समय पर, सम्मानजनक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बुलंदशहर पहुंचीं राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबीता चौहान, 2027 में फिर योगी सरकार बनने का किया दावा

बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने बुलंदशहर दौरे के दौरान विभिन्न राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यालय पर लगे पोस्टरों से स्पष्ट है कि उन्हें सपा या उसके समर्थकों ने ही लगाया होगा। साथ ही दावा किया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी और योगी आदित्यनाथ ही मुख्यमंत्री होंगे। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री द्वारा माफ किए जाने पर उन्होंने कहा कि प्रदर्शन करना सभी का अधिकार है, लेकिन



वहां हुई कथित अश्लीलता और उपद्रव भारतीय संस्कारों के अनुरूप नहीं है। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री ने युवाओं को माफ कर बड़ा दिल दिखाया। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा कांवड़ियों के पैर

दबाने के मामले पर उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उनके अनुसार, नौकरी अपनी जगह है और ईंसानियत अपनी जगह, तथा राज्य को धर्म से पूरी तरह अलग करके नहीं चलाया जा सकता।संसद परिसर

संसद की घटना पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का बड़ा बयान, राहुल गांधी और पप्पू यादव मांगे सनातन समाज से माफी

बुलंदशहर(सब का सपना):- कल्कि धाम पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को बुलंदशहर में संसद में हुए हालिया घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि संसद में जो हुआ, उससे सनातन संस्कृति का अपमान हुआ है और राहुल गांधी व पप्पू यादव को संत समाज तथा सनातन समाज से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपने संबोधन में पप्पू यादव और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कई राजनीतिक टिप्पणियां कीं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के आदर्शों पर चलने



की प्रेरणा दें तथा भगत सिंह, महावीर, गौतम बुद्ध और सुभाष चंद्र बोस जैसे महान व्यक्तित्वों से सीख लेने को कहा। उन्होंने तथाकथित "कॉन्क्रीट मुवमेंट" को विदेशी ताकतों का षड्यंत्र बताते हुए आरोप लगाया कि इसके माध्यम से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं के प्रति प्रधानमंत्री के व्यवहार में उन्हें बुद्ध, महावीर और महात्मा गांधी की झलक दिखाई देती है।

हरीश माथुर मर्डर केस में एक्शन, दिल्ली में टिल्लू ताजपुरिया गैंग के 2 शूटर एनकाउंटर में गिरफ्तार



बाहरी दिल्ली। रोहिणी जिले के कंझावला थाना अंतर्गत प्रॉपर्टी डीलर हरीश माथुर हत्याकांड में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने टिल्लू ताजपुरिया गैंग से जुड़े दो शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों के पैर में गोली लगी है और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, हरीश माथुर हत्याकांड की जांच के दौरान आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी बीच पुलिस को दोनों शूटरों के हाईवे से गुजरने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी की तो आरोपितों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्रवाई में विशाल और राहुल के पैर में गोली लगी, जिसके बाद दोनों को दबोच लिया गया। आरोपितों के कब्जे से दो पिस्तौल, कारतूस और चोरी की एक बाइक बरामद की गई है। पुलिस दोनों से हरीश माथुर की हत्या की साजिश, गैंग के अन्य सदस्यों और वारदात में इस्तेमाल हथियारों के संबंध में पूछताछ कर रही है। डीसीपी शाशंक जायसवाल ने बताया कि हरीश माथुर हत्याकांड की जांच अभी जारी है और मामले में आगे भी कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

अब 40 नहीं, 67 एकड़ में होगी हाई सिक्वोरिटी नरेला जेल, तिहाड़ में घटेगा कैदियों का दबाव



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार नरेला में प्रस्तावित हाई सिक्वोरिटी (उच्च सुरक्षा) जेल के विस्तार करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इसके लिए सरकार ने 40 एकड़ प्रस्तावित हाई सिक्वोरिटी जेल परिसर के साथ लगी 27 एकड़ अतिरिक्त जमीन चिन्हित की है। इस जमीन के आवंटन के लिए जल्द ही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से अनुरोध के लिए फाइल चलाई है। अधिकारियों के अनुसार, अतिरिक्त जमीन मिलने से नरेला में एक एकीकृत सुधार परिसर (इंटीग्रेटेड करेक्शनल कॉम्प्लेक्स) विकसित किया जा सकेगा। सरकार पहले ही 40 एकड़ भूमि पर हाई सिक्वोरिटी जेल के निर्माण के लिए निविदा जारी कर चुकी है। तिहाड़ जेल में कैदियों का दबाव होगा कम अब 27 एकड़ और मिलने पर भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अतिरिक्त जेल क्षमता तैयार की जाएगी। सरकार का कहना है कि दिल्ली में नई जेलों के लिए बड़े भूखंड उपलब्ध कराना आसान नहीं है। ऐसे में नरेला में विस्तार से तिहाड़ जेल पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। जमीन आवंटन की मंजूरी मिलने के बाद सरकार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर निर्माण कार्य शुरू करेगी। इसके लिए डीडीए को निर्धारित राशि का भुगतान किया जाएगा। 140 करोड़ का बजट मंजूर नरेला हाई सिक्वोरिटी जेल परियोजना गृह मंत्रालय की केंद्रीय योजना के तहत विकसित की जा रही है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जबकि शेष 40 करोड़ रुपये दिल्ली सरकार वहन करेगी। अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य 21 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सरकार का मानना है कि नरेला में नई जेल क्षमता विकसित होने से तिहाड़ सहित दिल्ली की जेलों में बढ़ती भीड़ कम होगी और बंदियों के बेहतर प्रबंधन के साथ सुधारात्मक गतिविधियों के लिए भी अधिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा। दिल्ली की जेलों की स्थिति कुल जेल परिसर: 3 (तिहाड़, रोहिणी और मंडोली) कुल जेलें: 16 स्वीकृत क्षमता: 10,026 कैदी वर्तमान बंदी: करीब 19,500

सिंधु बॉर्डर पर ट्रैफिक पुलिस की पाठशाला, ऑटो और कैब चालकों को पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ, T। यशपाल सिंह बोले: नियमों का पालन ही सुरक्षित जीवन की कुंजी

नई दिल्ली। अखण्ड आवाज, राजधानी दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अभियान को और तेज कर दिया है। इसी कड़ी में नरेला ट्रैफिक सर्किल द्वारा सिंधु बॉर्डर पर विशेष रोड सेफ्टी एवं ट्रैफिक पाठशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ऑटो और कैब चालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रैफिक इंस्पेक्टर यशपाल सिंह ने किया। उनके साथ रोड सेफ्टी सेल और नरेला ट्रैफिक सर्किल की टीम ने वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग



और सड़क अनुशासन के प्रति जागरूक किया। पाठशाला के दौरान चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वैध दस्तावेज साथ रखने, ओवरस्पीडिंग से बचने, शराब पीकर वाहन न चलाने, ट्रैफिक

दिल्ली में पहली विशेष जज का 10 दिन में ही ट्रांसफर, पीएम के निर्देश पर बना था फास्ट ट्रेक कोर्ट

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के मामलों की तेजी से सुनवाई कर दोषियों को जल्द से जल्द सजा सुनाने के लिए गठित की गई फास्ट-ट्रेक कोर्ट की विशेष न्यायाधीश अनु शोवर बालीगा का 10 दिनों के अंदर तबादला कर दिया गया। अब अजय गुप्ता संभालेंगे कमान दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा शनिवार को जारी न्यायिक अधिकारियों की 137 जजों की सूची में जज अनु शोवर बालीगा का भी है। विशेष न्यायाधीश अनु शोवर बालीगा ने 25 जुलाई को कार्यभार संभाला था और एक सप्ताह के अंदर ही उनका तबादला हो गया। अब पूर्व में नीट सहित अन्य पेपर लीक मामले की सुनवाई करने वाले विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता इस फास्ट ट्रैक कोर्ट की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, ताजा आदेश के अनुसार जज अनु शोवर बालीगा का तबादला नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी

खानपुर पुलिस के हत्ये चढ़ा शातिर वाहन चोर, चोरी की बाइक व अवैध तमंचा बरामद

बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना खानपुर पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से गाजियाबाद के थाना खोड़ा क्षेत्र से चोरी की गई यामाहा क्रेऽS मोटरसाइकिल (DL-14SS-6768) तथा एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशिक पुत्र आबिद, निवासी मोहल्ला नैकजन, कस्बा व थाना खानपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी आसपास के जनपदों में मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें बेचकर आर्थिक लाभ कमाता था। बरामद बाइक 3 जुलाई 2026 को थाना खोड़ा, गाजियाबाद क्षेत्र से चोरी हुई थी, जिसके संबंध में वहां पहले से मुकदमा दर्ज है। इस मामले में थाना खानपुर पर बीएनएस की संबंधित धाराओं तथा शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ बुलंदशहर और गाजियाबाद में वाहन चोरी के कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी रितेश कुमार, उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह, कांस्टेबल मनीष और राजकुमार शामिल रहे।



किसान के नलकूप से विद्युत मोटर के तार चोरी, पीड़ित ने दी तहरीर



तार गायब मिले, जिसके बाद चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित का कहना है कि घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई और कोतवाली में लिखित तहरीर भी सौंप गई। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक न तो मुकदमा दर्ज किया गया। ब्रिजेश कुमार शर्मा ने पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर अज्ञात चोरों के

खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, चोरी हुए विद्युत मोटर के तार बरामद किए जाएं तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं, इस मामले में पुलिस की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब यह देखना होगा कि पुलिस चोरी की इस घटना का खुलासा कब तक कर पाती है।



संकेतों का पालन करने तथा सड़क पर जिम्मेदारी से वाहन चलाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। टीआई यशपाल सिंह ने कहा कि सड़क पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती

है। उन्होंने सभी चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करें और स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। इस अवसर पर ट्रैफिक पुलिस ने चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता सामग्री भी वितरित की और उन्हें सुरक्षित एवं अनुशासित ड्राइविंग का संकल्प दिलाया। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और राजधानी की सड़कों को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।



(एनआईए) अधिनियम के तहत आतंकी मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत में किया गया है। जज अनु शोवर एएनआई के साथ ही गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) व एनडीपीएस के मामलों की सुनवाई करेंगी। आतंकी मामलों की सुनवाई करने वालों में जज विकास हुल, प्रशांत शर्मा, पुलस्त्य प्रमाचला, किरण बंसल और अमित बंसल हैं। 23 जुलाई की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने नीट पेपर मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन करने की घोषणा की थी। दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने उसी दिन शोष को देश का पहला फास्ट ट्रैक गठित किया था और जज अनु शोवर बालीगा को इसकी जिम्मेदारी सौंपी थी। 25 जुलाई को कार्यभार ग्रहण करने वाली जज अनु शोवर ने 27 जुलाई को मामले में पहली सुनवाई की थी। हालांकि, सीबीआई की तरफ से

अधिवक्ता के पेश नहीं होने के कारण पहले ही दिन मामले की सुनवाई टल गई थी। आज आरोपपत्र का संज्ञान लेने पर विचार करेगी अदालत इसके बाद मामले में सीबीआई ने 13 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इस पर जज अनु शोवर ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने और दो आरोपितों की जमानत पर विचार करने के लिए मामले को तीन अगस्त के लिए तय किया था। सोमवार को विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता अब आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बिंदु पर विचार करेंगे। तीन माई को हुई परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद सीबीआई ने मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी और 12 माई को नेशनल डेस्टिग एजेंसी (एनटीए) ने पेपर लीक के आरोपों के बीच तीन माई की परीक्षा रद कर दी थी। बाद में यह परीक्षा 21 जून को दोबारा आयोजित की गई थी।

दिल्ली में 5,000 से ज्यादा एटीएम असुरक्षित, 2 हजार से ज्यादा बूथों पर न सिक्वोरिटी गार्ड और न शटर लॉक

नई दिल्ली। राजधानी में एटीएम की सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस के ताजा सर्वे ने गंभीर तस्वीर पेश की है। इस वर्ष शहर के पांच हजार से अधिक एटीएम बूथों की जांच में सामने आया कि बड़ी संख्या में एटीएम न्यूनतम सुरक्षा मानकों के बिना संचालित हो रहे हैं। कई बूथों पर सुरक्षा गार्ड नहीं हैं, कहीं शटर लॉक की व्यवस्था नहीं है तो कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे या तो लगे ही नहीं हैं या पर्याप्त कवरेज नहीं दे रहे। पुलिस का मानना है कि यही कमियां एटीएम चोरी की घटनाओं को बढ़ावा दे रही हैं। 2,044 बूथों पर नहीं मिले सिक्वोरिटी गार्ड तैनात सर्वे के



मुताबिक, 2,514 एटीएम बिना शटर लॉक के संचालित हो रहे थे, जबकि 2,044 बूथों पर कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं मिला। इसके अलावा 767 एटीएम बूथों के बाहर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, 15 बूथों के अंदर कैमरे नहीं लगे थे और 119 एटीएम बिना शटर के ही चल रहे थे। पुलिस अधिकारियों का

कहना है कि इस तरह की लापरवाही अपराधियों के लिए आसान निशाना तैयार करती है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सुरक्षा गार्ड नहीं रखना बैंकों के लिए खर्च कम करने का जरिया हो सकता है, लेकिन इससे चोरी और तोड़फोड़ का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। हाल के महीनों में अशोक विहार में कैश

प्वाइंट तोड़ने और गोवंदपुरी में एटीएम उखाड़कर ले जाने जैसी घटनाओं ने इस खतरे को और स्पष्ट किया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, एटीएम चोरी की अधिकांश वारदातें अचानक नहीं होतीं, बल्कि सगठित गिरोह पूरी योजना के साथ इन्हें अंजाम देते हैं। अपराधी पहले ऐसे एटीएम की पहचान करते हैं जहां सुरक्षा गार्ड नहीं होता या आसपास सुनसान इलाका होता है। इसके बाद वे कई दिनों तक पुलिस गश्त का समय, लोगों की आवाजाही और भागने के संभावित रास्तों का अध्ययन करते हैं।



भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

• आदिनाथ शिव

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें ‘आदिदेव’ भी कहा जाता है। ‘आदि’ का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम ‘आदिश’ भी है।

• शिव के अस्त्र-शस्त्र

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक साप्तरूषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेंद्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रुंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही ‘कामशास्त्र’ की रचना की थी। ‘कामशास्त्र’ के आधार पर ही ‘कामसूत्र’ लिखा गया।

• शिव पंचायत

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक



भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

• शिव के पैरों के निशान

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं। रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे ‘रुद्र पदम’ कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं। तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है। जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था। रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर ‘रांची हिल’ पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को ‘पहाड़ी बाबा मंदिर’ कहा जाता है।

• शिव भक्त : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त हैं। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वर में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी। • शिव ध्यान : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है। • शिव मंत्र : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नमः शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रीं जुं सः। ऊं भूः भुवः स्वः। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्। स्वः भुवः भूः ऊं। सः जू ह्रौं ऊं, है। • शिव व्रत और त्योहार : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है। • शिव प्रचारक : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेंद्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रुंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।



बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणकर, शणकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमशः स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• शिव महिमा

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

• शैव परम्परा

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

• शिव के प्रमुख नाम

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

• अमरनाथ के अमृत वचन

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। ‘विज्ञान भैरव तंत्र’ एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

• शिव ग्रंथ

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।



• शिवलिंग

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुनः सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुतः यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

• बारह ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित हैं। ज्योतिर्लिंग यानी ‘व्यापक ब्रह्मात्मलिंग’ जिसका अर्थ है ‘व्यापक प्रकाश’। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

• शिव का दर्शन

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

• शिव और शंकर

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अतः शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं हैं। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेश (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

• देवों के देव महादेव

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

• शिव हर काल में

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।



जाह्वी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर, बोले-

जैसे समय बीता ही नहीं

अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्वी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्वी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्वी कपूर।' शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्वी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं। इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई 'धड़क' में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जाह्वी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था। शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर 'सेराट' का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी। जाह्वी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था। दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं। उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की 'होमबाउंड' में एक साथ देखा गया था, जिसमें जाह्वी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी बचपन के दो दोस्तों, चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस सेवा परीक्षा पास करने और बेहतर जीवन जीने का सपना देखते हैं।

‘रागिनी 3’ में नजर आएंगी आरजे महवश

आरजे महवश को बीते दिनों 'सतरंगी-बदले का खेल' में देखा गया था। यह वेब सीरीज इस साल मई में रिलीज हुई थी। अब वे फिल्म 'रागिनी 3' में नजर आएंगी। महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आज शुक्रवार को आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के

जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है। महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को लेकर तैयारी चल रही है। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'। महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



ब्वॉयफ्रेंड की वजह से टूटा था तापसी पन्नू का दिल

स्कूल-कॉलेज का प्यार अक्सर किसी पुरानी किताब में समिट कर रह जाते हैं। इसी उम्र में अभिनेत्री तापसी पन्नू भी किसी पर अपना दिल हार बैठी थीं। अभिनेत्री आज भले ही मनोरंजन जगत में अपना करियर स्थापित कर डेनमार्क के जाने-माने पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच मैथियास बोए के साथ शायदीशुदा जीवन बिता रही हैं लेकिन उनके किशोरावस्था का प्यार किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के समय ही अभिनेत्री को पहली बार प्यार का एहसास हुआ और वह एक लड़के पर दिल हार बैठी थीं। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया था कि स्कूल के समय उनका एक

आज हैं विदेशी खिलाड़ी की दुल्हनियां

समय आज के बच्चों के पास पर्सनल मोबाइल नहीं हुआ करते थे। अभिनेत्री ने बताया कि वो उनका पहला हार्ट ब्रेक था और वे अपने घर के पास वाले पीसीओ पर जाकर दो-दो रुपए के सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को कॉल किया करती थीं और कहती थीं कि प्लीज बात कर लो। वो पहले तो फोन उठाता ही नहीं था और अगर उठाया, तो बुरी तरह बात करता था। अभिनेत्री ने बताया कि उस दिन उन्होंने तय किया था कि वे अपने जीवन में किसी को इतना हक नहीं देंगी, कि वो उनकी इतना बुरा हाल कर दे। अभिनेत्री ने अपनी बात में यह भी जोड़ा था कि वो उनके जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था। समय बीता और वह सब पीछे चला गया। तापसी ने भी अपनी राह बदली और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नई दिल्ली) से कंप्यूटर साइंस में बीटेक (इंजीनियरिंग) पूरी की। यहीं से उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाया और साउथ सिनेमा की तरफ रुख किया।

मानुषी छिल्लर ने बताई 2015 में पेपर लीक के बाद दोबारा एंट्रेंस देने की कहानी, कहा-

‘सबसे मुश्किल वक्त था वो’

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहनने वाली और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर आज ग्लैमर की दुनिया का जाना-माना नाम हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मानुषी ने एक्ट्रेस बनने से पहले मेडिकल की पढ़ाई की थी और डॉक्टर बनने का सपना देखा था।

हाल ही में सोहा अली खान के यूट्यूब टॉक शो 'ऑल अबाउट हर' में उन्होंने अपने जीवन के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्हें डॉक्टर बनने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। खासकर 2015 में हुए मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक के बाद जो कुछ हुआ, उसने उन्हें अंदर तक तोड़ कर रख दिया था। टॉक शो में मानुषी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पेपर लीक को मैं दो नजरिए से देखती हूँ। एक मेरा खुद का अनुभव और दूसरा देश के लाखों स्टूडेंट्स की सच्चाई। मेरे माता-पिता खुद डॉक्टर हैं और वो पहले से जानते थे कि मेडिकल की तैयारी कितनी कठिन होती है। इसलिए मैं मानसिक तौर पर थोड़ी तैयार थी लेकिन फिर भी उस समय को झेलना आसान नहीं था।' मानुषी ने बताया, 'पेपर लीक के बाद मुझे अपनी सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं। मैं एक प्रोफेशनल कुचिपुड़ी डांसर थी। मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद था। दोस्तों के साथ समय बिताना, घूमना-फिरना, ये सब मुझे बहुत अच्छा लगता था लेकिन एंट्रेंस दोबारा देने की वजह से पूरे एक साल तक मैंने ये सब छोड़ दिया। सिर्फ पढ़ाई, कोचिंग और किताबें ही मेरा फोकस रहा। उस एक साल में मेरी दुनिया बहुत छोटी हो गई थी। सुबह से रात तक बस एक ही लक्ष्य था - दोबारा एग्जाम क्लियर करना।' मानुषी ने आगे कहा, 'मेरा संघर्ष दूसरों के मुकाबले कुछ भी नहीं है। तैयारी के दौरान मैं ऐसे कई बच्चों से मिलीं, जिनकी कहानी सुनकर रोना आ जाता है, जिनके माता-पिता ने कोचिंग भेजने के लिए अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज किया। कई बच्चे छोटे शहरों से बड़े शहर आए थे और एक छोटे से कमरे में 4-5 लोग साथ रहते थे। दिन-रात सिर्फ एक एग्जाम के लिए पढ़ते थे। उनके पास कोई प्लान बी नहीं था।'

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर...

शहनाज़ गिल बोलीं दिल से शुक्रिया

मुंबई इश्कनामा की रिलीज के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा की किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जञ्जात और दमदार अकारा की हर रफफ तारीफ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सरहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिसांस से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया।

जितना

शुक्रिया अदा करूँ, उतना कम

आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूँ, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

‘रामायणम’ में हनुमान बनकर सनी ने बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी देओल ने बड़ा रिकॉर्ड बना दिया। वह सबसे उम्रदराज हनुमान बनेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीस के मामले में भी उन्होंने नया रिकॉर्ड बनाया है। 'रामायणम' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज हुआ। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, अरुण गोविल दशरथ, रकुल प्रीत सिंह सूर्यपुत्रा, लारा दत्ता कैकेयी और विवेक ओबेरॉय विद्युत्किष्का का रोल निभा रहे हैं। कई अन्य कलाकार भी फिल्म हैं और ट्रेलर में ज्यादातर कलाकारों के लुक दिखा दिए गए। हालांकि,

सनी देओल को इसमें न पाकर उनके फैंस निराश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी देओल ने 38 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आखिर सनी देओल ने हनुमान बनकर कौन-सा रिकॉर्ड तोड़ा? हम यहां बात कर रहे हैं हनुमान का रोल निभाने वाले सबसे उम्रदराज एक्टर की, जो अभी तक दारा सिंह के पास था। 1988 में जिस वक्त दारा सिंह रामानंद सागर के पॉपुलर शो 'रामायण' में हनुमान बने थे, उस वक्त वे 60 साल के थे। उन्होंने आखिरी बार हनुमान का रोल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'लव कुश' में निभाया था, जो 25 जुलाई 1997

को बी. मधुसूदन राव के निर्देशन में बनी जीतेंद, जया प्रदा और अरुण गोविल स्टार यह फिल्म रिलीज हुई थी। उस वक्त दारा सिंह की उम्र 68 साल 8 महीने 6 दिन थी। उनका जन्म 19 नवंबर 1928 को हुआ था। सनी देओल 68 साल के हैं। 19 अक्टूबर 1957 को उनका जन्म हुआ। उनकी फिल्म 'रामायणम पार्ट 1' कथिततौर पर 8 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। उस वक्त तक सनी देओल की उम्र 69 साल से ज्यादा हो जाएगी। जबकि फिल्म का दूसरा पार्ट (दिवाली 2027) की रिलीज तक वे 70 साल के

आसपास होंगे। यानी अगर फिल्म रिलीज के समय से तुलना करें तो सनी देओल सबसे उम्रदराज हनुमान बने हैं। सबसे महंगे हनुमान भी बने सनी देओल अगर फीस के मामले में देखें तो सनी देओल अब तक के सबसे महंगे हनुमान बने हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' के लिए उनकी फीस 40 करोड़ रुपए है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

